एस. एन. एस. आर.के.एस. कॉलेज, सहरसा

(सम्बद्ध बी.एन. मंडल यूनिवर्सिटी, मधेपुरा, बिहार)

****

ऑनलाइन शिक्षण

****

प्रस्तुति : डॉ रिपुंजय कुमार सिंह (हिंदी विभाग,एस. एन. एस. आर.के.एस. कॉलेज, सहरसा)

****

Scanned by CamScanner

अध्ययन व विश्लेषण शिक्षण

भाग-18

****

बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी, तृतीय वर्ष

****

पंचम पत्र - 'नाट्य साहित्य'

****

Scanned by CamScanner

जयशंकर प्रसाद- 'अजातशत्रु'

[अध्ययन व विश्लेषण भाग -17 का शेष (नाटक का मूल पाठ)...]

द्वितीय अंक

****

बिम्बिसार : करुणामूर्ति! हिंसा से रँगी हुई वसुन्धरा आपके चरणों के स्पर्श से अवश्य ही

Scanned by CamScanner

स्वच्छ हो जाएगी। उसकी कलंक कालिमा धुल जाएगी।

गौतम : राजन्, शुद्ध बुद्धि तो सदैव निर्लिप्त रहती है। केवल साक्षी रूप से सब दृश्य देखती है। तब भी, इन सांसारिक झगड़ों में उसका उद्देश्य होता है कि न्याय का पक्ष विजयी हो-यही न्याय का समर्थन है। तटस्थ की यही शुभेच्छा सत्त्व से प्रेरित होकर समस्त सदाचारों की नींव विश्व में स्थापित करती है। यदि वह ऐसा न करे, तो अप्रत्यक्ष रूप से अन्याय का समर्थन हो जाता है- हम विरक्तों की भी इसीलिए राजदर्शन की आवश्यकता हो जाती है।

Scanned by CamScanner

बिम्बिसार : भगवान् की शान्तिवाणी की धारा प्रलय की नरकाग्नि को भी बुझा देगी। मैं कृतार्थ हुआ।

छलना : (नीचा सर करके) भगवन्! यदि आज्ञा हो, तो मैं जाऊँ।

गौतम : रानी! तुम्हारे पति और देश के सम्राट् के रहते हुए मुझे कोई अधिकार नहीं है कि तुम्हें आज्ञा दूँ। तुम इन्हीं से आज्ञा ले सकती हो।

Scanned by CamScanner

बिम्बिसार : (घूमकर देखते हुए) हाँ, छलने! तुम जा सकती हो; किन्तु कुणीक को न ले जाना, क्योंकि तुम्हारा मार्ग टेढ़ा है।

छलना का क्रोध से प्रस्थान।

गौतम : यह तो मैं पहले ही से समझता था, किन्तु छोटी रानी के साथ अन्य को विचार से काम लेना चाहिए।

बिम्बिसार : भगवन्! हम लोगों का क्या अविचार आपने देखा?

Scanned by CamScanner

गौतम : शीतल वाणी-मधुर व्यवहार-से क्या वन्य पशु भी वश में नहीं हो जाते? राजन्, संसार भर के उपद्रवों का मूल व्यंग्य है। हृदय में जितना यह घुसता है, उतनी कटार नहीं। वाक्-संयम विश्वमैत्री की पहली सीढ़ी है। अस्तु, अब मैं तुमसे एक काम की बात कहना चाहता हूँ। क्या तुम मानोगे-क्यों महारानी?

बिम्बिसार : अवश्य।

(नाटक का शेष मूल पाठ भाग-19 में....)

Scanned by CamScanner